

2021 - 22

आज दिनांक 12/08/2021 के संस्कृत विभाग में पाठ्यक्रम समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें निम्नलिखित कार्य उपस्थित हुए।

1. डॉ. दिव्या देवापाण्डे (अध्यक्ष-पाठ्यक्रम - समिति)
2. डॉ. ललित प्रधान आर्य (सचिव) -
3. डॉ. सत्येन्द्र शर्मा (प्रचार्य/डायरेक्टर) -
4. डॉ. सुधमा तिवारी (सुनपति/डायरेक्टर) -

बैठक

बैठक ने चर्चा कर निम्नलिखित निर्णय लिये गये -

- ① एमए प्रथम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र की नृतीय उकाई में परीक्षा 16.1-16 को सम्मिलित किया गया। यह परिवर्तन उकाई विस्तार की आवश्यकता को देखकर किया गया। इसी सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र की प्रथम उकाई में परीक्षा प्रकृष्ट के स्थान पर उत्साधार सम्मिलित किये गये। यह परिवर्तन व्याकरण के क्षेत्र में हेतु उत्साहों के ज्ञान की अनिवार्यता को देखकर किया गया। इसी प्रश्नपत्र की चतुर्थ उकाई में पाणिनीय शिक्षा (समुक्ति) सम्मिलित किया गया। पूर्व में पाणिनीय शिक्षा द्वितीय सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र में थी। यह स्थान परिवर्तन पाणिनीय शिक्षा के प्रांतिगत ज्ञान की अनिवार्यता तथा द्वितीय सेमेस्टर में उकाइयों में जोड़ित परिवर्तन की आवश्यकता को देखकर किया गया। इसी उकाई में सामान्य के उकाइयों के स्थान पर उकाई ही सम्मिलित किये गये ताकि उकाई विस्तार अधिक न हो।
- ② एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र की उकाइयों के क्रम में परिवर्तन किया गया है। पूर्व निर्धारित चतुर्थ उकाई को द्वितीय, द्वितीय उकाई को तृतीय तथा तृतीय उकाई को चतुर्थ क्रम पर रखा गया है। यह क्रम परिवर्तन विद्यार्थियों के हित में है। इस परिवर्तन की आवश्यकता को देखकर किया गया है। इसी सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र में चतुर्थ उकाई पाणिनीय शिक्षा के स्थान पर तृतीय उकाई के अन्तर्गत समास को रखा गया है। तथा एकाई उकाई में केवल प्राचीन भाषा-




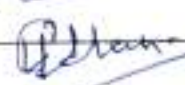
धुपीहियां इन्डु से ही सम्मिलित किया गया है। यह परिवर्तन द्वितीय से तृतीय इकाई के अन्विष्टार्थ को कम करने की दृष्टि से किया गया। इसी सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र की इकाई 2, 3, 4 तथा चार में पूर्व में दबन्यालोड के प्रथम उद्योग की उम्कियों निर्धारित थीं। उसके स्थान पर काव्यप्रकारा की इकाई को निर्धारित किया गया है। द्वितीय इकाई में काव्यप्रकारा - प्रथम तथा द्वितीय उल्लास, तृतीय इकाई में - काव्यप्रकारा चतुर्थ उल्लास तथा चतुर्थ इकाई में काव्यप्रकारा के अनुसार अंकों के जोड़ाहरण लक्षण रखे जाये। ये इकाईयों पूर्व में अन्य सेमेस्टर में अध्ययन हेतु निर्धारित थीं किन्तु काव्यप्रकारा के कारण काव्यशास्त्र का बुनियादी ग्रन्थ है मत, उसी द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययन आवश्यक मानकर यह परिवर्तन किया गया।

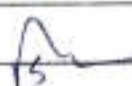
3) सेमेस्टर तृतीय के प्रथम प्रश्नपत्र की प्रथम इकाई कवि-काव्य में लघुत्रयी के स्थान पर प्रमुख कवियों का परिचय सम्मिलित किया गया। यह परिवर्तन विद्यार्थियों को संस्कृत-साहित्य के ज्ञान की समग्रता की दृष्टि से किया। इसी सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र में काव्यप्रकारा के इकाईयों के स्थान पर दबन्यालोड प्रथम उद्योग के इकाई 1-6 द्वितीय इकाई में, काव्य 7-12 तृतीय इकाई में तथा 13 से समाप्ति पर्यन्त तृतीय इकाई में स्थानान्तरित की गई। इसी सेमेस्टर के पांचम प्रश्नपत्र की तृतीय इकाई को चतुर्थ में स्थानान्तरित किया गया तथा चतुर्थ इकाई - द्वितीय परिच्छेद 1-11 काव्य के स्थान पर साहित्य दर्पण - द्वितीय परिच्छेद (सम्पूर्ण) रखा गया। यह परिवर्तन इकाई को विस्तृत करने की दृष्टि से किया गया।

4) सेमेस्टर चतुर्थ के प्रथम प्रश्नपत्र की प्रथम इकाई में वैदिक कालीन उपासनापद्धति या यज्ञसंस्था को सम्मिलित किया गया। इकाई विस्तार की आवश्यकता को देखकर यह परिवर्तन किया गया। इसी सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र में ही प्रथम इकाई में काव्यप्रकारा प्रथम उल्लास के स्थान पर काव्यप्रकारा के पांचम उल्लास में स्थानान्तरित किया गया। यह परिवर्तन काव्यप्रकारा के अध्ययन क्रम में उल्लासों के अध्ययन-क्रम के निर्धारण की दृष्टि से किया गया है। इसी सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र में इकाई प्रथम काव्यप्रकारा - तृतीय परिच्छेद - 96 तः समाप्ति पर्यन्त के इकाई

दिया गया। इकाई 2 तथा इकाई 3 को छ इकाई प्रथम एवं द्वितीय के रूप में स्थानान्तरित किया गया तथा तथा इकाई तीन में काव्य उकाइ सम्मोडल्लस: तथा काव्य प्रकाश- अष्टमोडल्लस: के स्थानान्तरित किया गया। यह परिवर्तन विषय वाक्य के व्यवस्थितकरण को इतिर में किया गया। इसी सेमेस्टर के पञ्चम प्रश्नपत्र की प्रथम इकाई में काव्यदर्पण - द्वितीय परिच्छेद की कविता 2 से सम्प्राप्तिपर्यन्त को परिवर्तित कर चतुर्थ इकाई में ग्रन्थों का अलोचनात्मक प्रश्न सम्मिलित किया गया।

- 5) स्नातक वा पाह्यकुम विड्वत्विद्यालय के पाह्यकुम के अनुसार वर्ग रूप से अनुसूचित किया जा रहा है।  
वर्ष 2021-22 में पाह्यकुम में 10% का परिवर्तन किया है।

1. डॉ. सत्येन्दु शर्मा - 
2. डॉ. सुषमा तिवारी - 
3. डॉ. दिव्या देशपाण्डे - 
4. डॉ. ललित प्रधान आर्य - 

  
डॉ. दिव्या देशपाण्डे  
विभागाध्यक्षा (संस्कृत)

  
Principal  
Govt. Digvijay College  
Rajnandgaon (C.G.)